## सम्पादकीय

# केजरीवाल की गिरफ्तारी दिल्ली में क्या गुल खिलाएगी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया। देश में संभवत: ऐसा पहली बार हुआ जब मौजूद मुख्यमंत्री को उनके सरकारी आवास से ले जाकर गिरफ्तार किया गया। इसके राजनीतिक मायने क्या निकलेंगे ये तो लोकसभा चुनाव के नतीजों में ही चार जून को स्पष्ट होगा लेकिन राजनीतिक समीक्षकों के अनुसार इसका नुकसान भाजपा को दिल्ली और आसपास के आप प्रभाव वाले इलाकों में हो सकता है। ऐसा इसलिए कि अब ये साफ हो गया है कि केन्द्र सरकार ईडी को अपने विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ही इस्तेमाल कर रही है। ईडी में अस्सी प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ है। हालांकि थोड़ा पीछे जाएं जब दिल्ली की शराब नीति के मामले में पहले मनीष सिसोदिया और बाद में संजय सिंह गिरफ्तार हुए और गिरफ़्तारी को महीनों बीत गए, तो सब ने यही सोचा कि आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल असल में भारतीय जनता पार्टी की बी पार्टी हैं और वे दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने की होड़ में लगे अपने ही साथियों को धीरे- धीरे जेल में डलवाते जा रहे हैं। केंद्र सरकार उनकी यानी केजरीवाल की महत्वाकांक्षा के इस पुण्य कर्म में उनका लगातार सहयोग करती जा रही है। लेकिन गुरुवार को केजरीवाल की गिरफ़्तारी के साथ ही ये तमाम आशंकाए धूमिल हो गईं। हो सकता है पहले कभी ऐसा रहा हो, क्योंकि भाजपा बहुत पहले से, ख़ासकर चुनावों के दौरान कांग्रेस से ज़्यादा महत्व आप पार्टी को देती रही है। दरअसल, भाजपा जब आप पार्टी को ज़्यादा महत्व देती है तो कांग्रेस नेपथ्य में चली जाती है। जहां तक आप पार्टी का सवाल है, वो वोट तो हर प्रदेश में कांग्रेस के ही काटती है, इसलिए आप पार्टी को जितना ज़्यादा महत्व दिया जाता है, भाजपा की झोली वोटों से उतनी ही ज़्यादा भरती जाती है। शराब नीति में गड़बड़ियों का मामला इतना बड़ा बन जाएगा, यह पहले किसी ने सोचा नहीं होगा। कम से कम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार ने तो कभी नहीं सोचा होगा। इससे पहले झारखण्ड की झामुमो सरकार भी इसी तरह के संकट से जूझी थी। उसके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया गया था और ईडी की गिरफ़्त में रहते हुए हेमंत सोरेन ने राज्यपाल को इस्तीफा दे दिया था। केजरीवाल मंत्रिमंडल के कई साथी कह रहे हैं कि केजरीवाल मुख्यमंत्री बने रहेंगे और वे जेल के भीतर से भी दिल्ली की सरकार चलाने में सक्षम हैं।

# श्रीराम मंदिर से बढ़ती समृद्धि और समरसता

**मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण का संदेश स्वयं के जीवन से दिया। उसी भावना से मंदिर के पूजन में इस्तेमाल हुए देश भर की हजारों पवित्र नदियों के जल व पावन तीर्थों की रज (मिट्टी) ने सम्पूर्ण भारत को भावनात्मक रूप से एकाकार कर दिया। उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक पवित्र नदियों और पोखरों के जल तथा हर धर्म, संस्कृति, विचारधारा स्वरूप से जुड़े स्थलों जैसे संत रविदास के काशी स्थित जन्मस्थली, सीतामढ़ी के महर्षि वाल्मीकि आश्रम, विदर्भ के कचारगड, झारखंड के रामरेखाधाम, मध्य प्रदेश के टंट्या भील की पुण्य भूमि, अमृतसर के श्री हरमंदिर साहिब, बाबासाहेब आंबेडकर के जन्मस्थान महू और दिल्ली के जैन लाल मंदिर आदि की मिट्टी मंदिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा में प्रयुक्त हो देश में बढ़ती समरसता की नींव को मजबूत कर गई। राम मंदिर का निर्माण न केवल धार्मिक स्थल के रूप में महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एक समरस, सहिष्णु समाज की अवधारणा का प्रतीक भी बन गया है।**

श्याम जाजू।

पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के बाद हुए श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण ने न केवल भारतीय समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक आधारशिला को मजबूत किया है बल्कि उसकी प्राण प्रतिष्ठा ने सम्पूर्ण देश में अभूतपूर्व समृद्धि और समरसता का मार्ग प्रशस्त किया है। आज पुनर्निर्मित भव्य राम मंदिर न केवल धार्मिक या ऐतिहासिक संदर्भ में महत्वपूर्ण बन गया है, बल्कि यह समृद्धि, समरसता, और एकता के प्रतीक के रूप में भी स्थापित हो गया है। राम मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया में समाज के सभी लोगों की भागीदारी ने एकता, सहयोग और सामाजिक समरसता की उसी मूल भावना का संवर्धन किया है जो प्रभु श्रीराम ने अहिल्या उद्धार तथा शबरी व निषादराज से प्रेम और मित्रता कर जगाई थी।

सामाजिक समरसता के साथ श्रीराम मंदिर के निर्माण ने सामूहिक वैभव और आर्थिक सशक्तिकरण का वह मार्ग भी प्रशस्त किया है जो समाज के हर वर्ग, हर धर्म, जाति और सम्प्रदाय को समान रूप से लाभ पहुंचाएगा। सदियों से आर्थिक रूप से पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश और उससे लगे क्षेत्रों का तो मानो काया पलट ही हो जायेगा जिसकी शुरुआत हो चुकी है। स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास को एक नई गति मिलती दिख रही है जो देश के विकास में एक नई इबारत लिखेगा और भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश राज्य ने अपने लिए पहले से ही 2027 तक राज्य को 1 खरब (ट्रिलियन) की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखता है जो अब राम मंदिर के प्रतिष्ठापन के बाद समय पूर्व ही साकार होता दिख रहा है। राम मंदिर के कपाट खुलने के बाद से ही उत्तर प्रदेश के टूरिज्म सेक्टर (यूपी टूरिज्म) में बूम देखने को मिल रहा है। भारत के करीब 1।1 अरब हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल बना अयोध्या अब अभूतपूर्व आर्थिक उछाल देख रहा है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन पहले यानी रविवार 21 जनवरी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई जिसमे उत्तर प्रदेश राज्य को अयोध्या के राम मंदिर और राज्य सरकार की अन्य पर्यटन योजनाओं के चलते भारी कमाई की सम्भावना बताई गई। रिसर्चर्स ने अनुमान जाहिर करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को फाइनेंशियल ईयर 2025 में सिर्फ अयोध्या से 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि राम मंदिर का उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश में बड़ा आर्थिक प्रभाव देखने को मिल सकता है। राम मंदिर के साथ भारत को एक नया पर्यटन स्थल मिल रहा है, जिसकी वजह से देश में हर साल 50 मिलियन यानी 5 करोड से ज्यादा पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। निस्संदेह, अयोध्या में राम मंदिर से भारत में पर्यटन सेक्टर को बड़ा बूस्ट मिलेगा। इस रिपोर्ट के मुताबित भारत में पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं। वित्त वर्ष 2019 में देश की जीडीपी में पर्यटन सेक्टर का योगदान 194 बिलियन डॉलर का था। वहीं वित्त वर्ष 2030 में यह बढ़कर 443 बिलियन डॉलर ( करीब 36 l76 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंचने का अनुमान है। पर्यटन में धार्मिक पर्यटन का बड़ा रोल है। भारत के लोकप्रिय धार्मिक केंद्रों में हर साल करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। पर्यटन बढ़ने से अयोध्या में होटल, एयरलाइन सेक्टर, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, ट्रैवल, रेलवे, गाइड, पूजा सामग्री बेचने वाले दुकानदार, मूर्तियां बनाने वाले और ऐसी तमाम चीजों को बूस्ट मिलेगा। राम मंदिर के निर्माण से पर्यटकों की संख्या के साथ-साथ अयोध्या में निवेश बढ़ रहा है। निवेश बढ़ने से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। माना जा रहा है कि अयोध्या में 20 हजार से 25 हजार नए रोजगार पैदा होंगे। रामलला के विराजमान होते ही अयोध्याम वैश्विक धार्मिक स्थवल और आध्याकत्मिक टूरिस्ट हॉटस्पॉट बन गया है। दरअसल अयोध्या निवेश के लिए एक नया हॉटस्पॉट बन ही गया है। शहर में अब एक नया हवाई अड्डा टर्मिनल है जो 6,500 वर्ग मीटर में फैला है और हर साल दस लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करेगा। इस क्षमता को 60 लाख यात्रियों तक बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल की अपेक्षा 2025 तक है। भारत के हवाई वाहक, जैसे इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने प्रमुख शहरों को अयोध्या से जोड़ने वाली कई उड़ानें शुरू की हैं। अकासा एयर और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइंस, अयोध्या के लिए हवाई यात्रा को बढ़ाने की योजना का अनावरण कर रही हैं। नए खुले हवाई अड्डे पर चार्टर्ड उड़ानों के लिए भी व्यवस्था की गई है। अभिषेक कार्यक्रम के दिन 100 से अधिक चार्टर्ड विमान हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। इसके अलावा, चॉपर सेवाएं अयोध्या को छह जिलों - गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, मथुरा और आगरा से जोड़ेंगी। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन को 240 करोड़ रुपये में पुनर्निर्मित कर भव्य स्वरूप दिया गया है। भारतीय रेलवे ने 22 जनवरी के बाद अयोध्या के लिए 200 आस्था स्पेशल ट्रेनें भी शुरू की हैं। देश के विभिन्न हिस्सों को अयोध्या से जोड़ने वाली नित नई ट्रेनें प्रारम्भ हो रही हैं जिसका पूरे देश से राम मंदिर आने वाले श्रद्धालु उपयोग कर सकेंगे। इसके साथ ही अंतर्देशीय जलमार्ग से भी सरयू को जोड़ने का कार्य चल रहा है। अयोध्या में 1,200 एकड़ में 2,180 करोड़ रुपये का ग्रीनफील्ड टाउन भी बनाया जा रहा है। इसमें मठों, आश्रमों, धर्मशालाओं और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए अलग से भूखंड रखे जाएंगे। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यटक वृद्धि की प्रत्याशा में भीड़भाड़ को कम करने के लिए परियोजना शुरू की। बुनियादी ढांचे के विकास में कनेक्टिंग हाई-वे, नवीनीकृत सड़कें, पानी और बिजली परियोजनाएं भी शामिल हैं। अयोध्या को विश्व स्तरीय शहर में विकसित करने के लिए 30,500 करोड़ तक की कीमत वाली लगभग 178 प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। इस बीच, राज्य सरकार का उद्देश्य विदेशी पर्यटकों और भारतीय नागरिकों दोनों की क्षमता का उपयोग करना है और मुख्य केंद्र के रूप में अयोध्या के साथ रामायण सर्किट बनाना है। अयोध्या मास्टर प्लान 2031 के तहत, मंदिर शहर के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए 85,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। राम मंदिर भारत के संपन्न आध्यात्मिक पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देगा। सीएनबीसीटीवी 18 की रिपोर्ट के अनुसार, उद्घाटन के बाद से ही प्रतिदिन तीन से पांच लाख यात्री शहर में आ रहे हैं।

## आज का इतिहास

### 23 मार्च की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- पश्चिम बंगाल के चंद्रनगर पर 1357 में लार्ड क्लाइव ने फ्रांसीसियों को हराकर कब्जा किया।
- पिनेरोलो पिडमाउंट पर फ्रांस की सेना ने 1630 में कब्जा किया।
- ब्रिटेन की संसद में सुधार विधेयक 1832 में पारति किया गया।
- फ्रेंकलिन बेल ने 1836 में सिक्के छपाई के प्रेस का आविष्कार किया।
- लिथुआनिया ने 1918 में स्वतंत्रता की घोषणा की।
- बेनिटो मुसोलिनी ने 1919 में इटली के मिलान में फासिस्ट आंदोलन की शुरुआत की।
- ऑल इंडिया मुस्लिम लीग ने 1940 में मुसलमानों के लिए अलग देश की मांग की।
- अमेरिकी कांग्रेस ने 1945 में फिलीपींस की स्वतंत्रता को मान्यता दी।
- संयुक्त राष्ट्र ने 1950 में विश्व मौसम विज्ञान विभाग की स्थापना की।
- सन 1956 में पाकिस्तान दुनिया का पहला इस्लामिक गणतंत्र देश बना।
- नासा ने 1965 में पहली बार जैमिनी 3 अंतरिक्ष यान से दो व्यकितयों को अंतरिक्ष में भेजा।
- केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में महिलाओं की पहली कंपनी को 1986 में प्रशिक्षित किया गया।
- पश्चिमी जर्मनी के एक ब्रितानी सैनिक ठिकाने में 1987 में हुए कार बम हमले में लगभग 30 लोग घायल हो गए हैं।
- प्रोफ़ेशनल चेस एसोसियेशन कैंडीडेट्स के फ़ाइनल श्रृंखला को 1995 में भारत के विश्वनाथन आनंद ने जीता।
- पराग्वे के उपराष्ट्रपति पुई मारिया अरगाना की 1999 में हत्या।
- रूसी अंतरिक्ष स्टेशन 'मीर' की 2001 में जल समाधि।
- दक्षिण अफ्रीका में वाडरर्स में 2003 में हुए विश्व कप क्रिकेट के फ़ाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 125 रनों से हराकर विश्व कप पर कब्ज़ा बरकरार रखा।
- मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर 2012 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतकों का कीर्तिमान बनाने वाले पहले क्रिकेटर बने।
- यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 2014 में रूस पर प्रतिबंध लगाए।

### 23 मार्च को जन्मे व्यक्ति

- मुग़ल बादशाह शाहजहाँ और 'मुमताज़ महल' की सबसे बड़ी पुत्री जहाँआरा का 1614 में जन्म हुआ।
- भारत की स्वतंत्रता सेनानी बसंती देवी का 1880 में जन्म हुआ।
- बीसवीं सदी पूर्वार्द्ध के प्रख्यात संस्कृत कवि भट्ट मथुरानाथ शास्त्री का 1889 में जन्म हुआ।
- महान स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रख्यात समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया का 1910 में आज ही के दिन जन्म हुआ।
- भारतीय क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी हेमू कालाणी का 1923 में जन्म हुआ।
- भारतीय महिला व्यवसायी किरण मजूमदार-शॉ का 1953 में जन्म हुआ।
- टेनिस खिलाड़ी योनास ब्योर्कमैन का 1972 में जन्म हुआ।
- पूर्व टेलीविजन अभिनेत्री, 'भारतीय जनता पार्टी' की प्रतिष्ठित महिला स्मृति ईरानी का 1976 में जन्म हुआ।
- हिंदी फिल्म अभिनेत्री कंगना राणावत का 1987 में जन्म हुआ।

## विशेष आलेख

# कचरे के ढेर तले दबते जा रहे अपने शहर

अमित कपूर।

प्रगति पर समकालीन बहस में आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच चले आ रहे पुराने द्वंद्व को खारिज कर दिया गया है। सतत विकास की जरूरत को समझना आज के वैश्विक दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। अपशिष्ट उत्पादन और उसका सही तरीके से निपटान जैसे गंभीर मुद्दे पर हम सब का ध्यान केंद्रित रहता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था में अनचाहे उत्पाद के तौर पर लगातार बढ़ता कचरा विश्व स्तर पर दोनों कारकों पारिस्थितिकी तंत्र और लोगों के स्वास्थ्य के समक्ष गंभीर चुनौती खड़ी करता है। हालिया आंकड़े भी हालात की भयावता को प्रदर्शित करते हैं। विश्व बैंक का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक वैश्विक स्तर पर 3.4 अरब टन तक अपशिष्ट पैदा होगा। यह मौजूदा वार्षिक स्तर 2.01 अरब टन से बहुत ज्यादा है। लगातार उभरते शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि और उपभोक्तावादी जीवनशैली जैसे कारक बेतहाशा कूड़ा उत्पादन के मुख्य कारण हैं। यह बड़े खतरे की निशानी है, जिस पर फौरन ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

विश्व बैंक के अनुमान की तरह ही 'वेस्ट वाइज सिटीज' के तहत यूएन हैबिटैट ने भी इस दिशा में प्रकाश डाला है कि नगर निकायों से निकलने वाला ठोस कचरा वर्ष 2050 तक लगभग दोगुना हो जाएगा। इसमें यह भी कहा गया है कि लगभग 3 अरब लोग अपशिष्ट निबटान की व्यवस्थित सुविधाओं से वंचित हैं। यूं तो हर तरह का कचरा खतरनाक है, परंतु इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाला कचरा वैश्विक स्तर पर बड़ी समस्या बन रहा है, क्योंकि इसमें बहुत ही खतरनाक यौगिक होते हैं। कूड़े का उचित तरीके से प्रबंधन नहीं होने के कारण वायु और जल के साथ-साथ मृदा भी प्रदूषित होती है। कचरा इसलिए भी बड़ी समस्या बनता जा रहा है कि इसके उठान के बुनियादी ढांचे का व्यापक तौर पर अभाव है और आज भी निबटान की पारंपरिक विधियां अपनाई जाती हैं। खुली और गंदी लैंडफिल साइट पेयजल को दूषित करती हैं। इससे संक्रमण एवं बीमारियां फैलने का खतरा रहता है। इधर-उधर फैले कचरे के कारण पूरा पारिस्थितिकी तंत्र प्रदूषित होता है, जबकि औद्योगिक कचरे अथवा ई-कचरे से निकलने वाले जहरीले यौगिक शहरी निवासियों के साथ-साथ पर्यावरण को बहुत अधिक नुकसान पहुंचाते हैं। बढ़ते कचरे के कारण समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र भी इस समय अभूतपूर्व चुनौती का सामना कर रहा है। अनुमान इस बात की ओर संकेत करते हैं कि यदि कचरे में इसी गति से वृद्धि होती रही तो वर्ष 2050 तक समुद्र में प्लास्टिक का भार मछलियों से ज्यादा हो जाएगा। रिहायशी बस्तियां भी इसी समस्या से दोचार हो रही हैं। कचरा कुप्रबंधन के कारण वायु और जल दोनों प्रदूषित हो रहे हैं। नतीजतन जलवायु संकट खड़ा हो रहा है और पूरे विश्व में लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। इस पर्यावरणीय नुकसान से निपटने के लिए आर्थिक अड़चनें नहीं हैं, फिर भी निष्क्रियता इन पर हावी है। भारत के शहरी परिदृश्य की कड़वी सच्चाई दो शहरों की कहानी कहती है एक वैश्विक स्तर पर पहचान हासिल कर रहा है, जबकि दूसरा अपने कचरे के ढेर के नीचे दबा संघर्ष कर रहा है। बड़े शहरों में हजारों टन कचरा प्रतिदिन निकलता है, जो पहले से ही उफन रहीं लैंडफिल में पहुंचता है अथवा रिहायशी इलाकों की गलियों और नालों में भरता जाता है। निम्न मध्य वर्गीय इलाकों में हालात और भी बदतर हैं, जहां साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन सेवाएं प्राय: एक ख्वाब ही हैं। इन बस्तियों के पास कचरे के बड़े-बड़े ढेर कठोर वास्तविकता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक भारत में प्रति वर्ष लगभग 6.2 करोड़ टन कचरा उत्पन्न होता है। इसमें करीब 4.3 करोड़ टन कचरा संग्रहित कर लिया जाता है, जबकि शेष 3.1 करोड़ टन लैंडफिल में डाला जाता है। शहरों का विस्तार बहुत तेजी से हो रहा है और बदलती जीवनशैली खपत पैटर्न को प्रभावित कर रही है। इस कारण ऐसा अनुमान है कि नगरों में इस दशक के अंत तक ठोस कचरा उत्पादन 16.5 करोड़ टन बढ़ सकता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 के कार्यान्वयन पर वार्षिक रिपोर्ट (2020-21) के अनुसार देश में प्रतिदिन 160,038.9 टन ठोस कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से 152,749.5 टन अथवा 95.4 प्रतिशत प्रतिदिन सफलतापूर्वक संग्रहित कर लिया जाता है। कुल संग्रहित अपशिष्ट में 79,956.3 टन यानी लगभग आधे को संसाधित कर लिया जाता है और शेष 29,427.2 टन अथवा 18.4 प्रतिशत लैंडफिल में डाला जाता है। इस बीच प्रति दिन निकलने वाला 50,655.4 टन यानी कुल उत्पन्न कचरे का 31.7 प्रतिशत इधर-उधर बिखरा रहता है यानी उसका उठान ही नहीं होता। रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि वर्ष 2015-16 और 2020-21 के बीच छह वर्षों में प्रति व्यक्ति अपशिष्ट उत्पादन में मामूली गिरावट आई है। वर्ष 2020-21 में 119.7 ग्राम प्रति व्यक्ति ठोस कचरा प्रति दिन निकला था। राज्य स्तर पर इस सूची में दिल्ली शीर्ष पर रहा। विशेष यह कि छत्तीसगढ़ में 100 प्रतिशत ठोस कचरे का प्रबंधन अथवा निपटान किया जाता है।

# रोल मॉडल की तलाश में भटकते सिख युवक

संसार का प्रत्येक मनुष्य अपने परिवेश से प्रभावित होता है और जब कोई व्यक्ति असाधारण अच्छे कार्य करता है और अपने आदर्श जीवन के सभी पहलुओं में परिपक्वता से प्रभावित होता है तो आम लोग उसके जैसा जीवन जीने का प्रयास करते हैं, तो वह व्यक्ति उन लोगों का रोल माडल कहा जाता है।

दुनिया के हर धर्म, हर क्षेत्र और हर सभ्यता में रोल मॉडल पैदा हुए हैं। इसी प्रकार, लगभग साढ़े 5 सौ वर्ष पूर्व सिख समुदाय में जब श्री गुरु नानक देव जी ने उस समय भारतीय समाज में व्याप्त अन्यायों तथा अंध विश्वास के विरुद्ध आवाज उठाई तो उन्होंने लोगों को कर्म करो, जप करो नाम जपो और बांट कर खाओ का संदेश दिया। उन्होंने स्वयं भी अपनी दी हुई शिक्षाओं को क्रियान्वित किया। लोगों के कल्याण के लिए उन्होंने 4 दशकों से अधिक समय तक अपने घर से दूर साधारण जीवन व्यतीत किया, संपूर्ण मानवता की भलाई के लिए काम किया और सिख धर्म की शुरूआत की।

उस समय लोग उनकी शिक्षाओं पर अमल करने लगे। उनकी शिक्षाओं का पालन करने वाले सिख कहलाए और श्री गुरु नानक पहले सिख गुरु होने के साथ-साथ सिखों के पहले आदर्श भी बने। इसके बाद गुरु अंगद देव जी ने गुरबाणी का पाठ किया। स्कूल और साहित्यिक केंद्र खोलकर, कुश्ती का अभ्यास शुरू करने के अलावा, उन्होंने गुरुमुखी का मानकीकरण किया और दुनिया को एक अनूठी लिपि दी और इन्हीं कारणों से वे एक आदर्श भी बन गए। इसके बाद सभी गुरु महान त्याग और बलिदान देकर आदर्श बन गए। गुरु साहिब के बाद भी सिख समुदाय में अनेक व्यक्तित्व गुरुओं के मार्ग पर चलते हुए अपने उच्च एवं पवित्र चरित्र के कारण आदर्श बने। लेकिन जैसे-जैसे सिख नेतृत्व गुरु साहिब द्वारा निर्धारित सिख सिद्धांतों और आदर्शों से पीछे हटता गया, सिख समुदाय में नए रोल मॉडल की कमी होने लगी। लेकिन हाल के दिनों में सिख नेतृत्व में चरित्र की गिरावट, सिख युवाओं की गौरवशाली इतिहास से दूरी और गुरबाणी की उचित व्याख्या की कमी ने सिख युवाओं को नकारात्मक सोच की ओर धकेल दिया है। उनमें अपने आदर्शों को पहचानने का विचार भी लुप्त होता जा रहा है। इसी कारण से आज के समय में सिख युवा ऐसे लोगों को अपना आदर्श मानने लगे हैं जिनका सिख कार्य या समाज में कोई विशेष योगदान नहीं है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे अपनी पृष्ठभूमि पर ध्यान देना भी जरूरी नहीं समझते हैं।

## आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

### मेष

उगाही एवं प्रवास के लिए आज का दिन अच्छा है। व्यापार से सम्बंधित कामों के लिए लाभदायी शुरुआत रहेगी। घर में शुभ प्रसंग का आयोजन होगा। शेयर-सट्टे में आर्थिक लाभ होगा। पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी।

### वृष

शारीरिक ताजगी और मानसिक प्रसन्नता का अभाव रहेगा। परिवार में उग्र वातावरण रह सकता है। सामाजिक जीवन में मानहानि का प्रसंग बन सकता है। आप रचनात्मक कामों में व्यस्त रहने वाले हैं। भाई-बंधुओं का व्यवहार सहयोगात्मक रहेगा।

### मिथुन

खान-पान में आज विशेष ध्यान रखें। नेगेटिव विचारों को मन से निकाल देने पर हताशा का अनुभव करेंगे। अनैतिक काम आपको विपत्ति में डाल सकते हैं। संभव हो, तो उससे दूर रहें। आकस्मिक प्रवास का योग बनेगा।

### कर्क

कोई पुरानी चिंता दूर हो सकती है। लेखन या साहित्यिक प्रवृत्ति में आपकी विशेष रुची रहेगी। व्यापार में विकास होने से नई योजनाएं अमल में आएगी। फिर भी अधिकारी के साथ वाद-विवाद में न पड़ें। कुछ अधिक भावनाशील रहेंगे। धन प्राप्ति का प्रबल योग है।

### सिंह

व्यापार में कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। आलस्य और चिंता बनी रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखें। विरोधियों के साथ वाद-विवाद में न उतरें। आग और पानी वाली जगहों से बचकर रहें। लेन-देन के मामलों में लाभ होगा।

### कन्या

धार्मिक और सामाजिक कामों के पीछे धन खर्च होगा। वाहन चलाने या नया कोई इलाज शुरू करने में आपको सावधानी रखना होगी। दोपहर के बाद प्रत्येक काम सरलतापूर्वक संपन्न होंगे। दफ्तर में आप का प्रभाव बढ़ता हुआ दिखेगा। धन हानि का योग है।

### तुला

व्यवसाय को बढ़ाने के लिए आज आप प्रयास शुरू कर सकते हैं। व्यापार में भागीदारी के काम से लाभ प्राप्त होगा। ब्याज, दलाली आदि से इनकम में वृद्धि होने की संभावना है। आय होने से आर्थिक कष्ट दूर हो जाएगा।

### वृश्चिक

आज संपत्ति के कामों में बहुत ध्यान रखना होगा। व्यापार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन अनुकूल है। विरोधी परास्त होंगे। हालांकि वाणी पर नियंत्रण रखें। अति उत्साह में कुटुंबजनों के साथ विवाद हो सकता है।

### धनु

आज स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। आज का दिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति के लिए बहुत अच्छा है। आर्थिक लाभ होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। मन में जो दुविधा है, उसका निराकरण हो जाएगा।

### मकर

आज धार्मिक कामों में आपकी रुचि रहेगी। व्यापार के लिए वातावरण अनुकूल रहेगा। आप के हर काम सरलता से पूरे कर सकेंगे। जीवन में भी आनंद बढ़ जाएगा। हताशा भी बढ़ सकती है। शेयर-सट्टे में पूंजी-निवेश कर सकते हैं।

### कुंभ

वस्त्र-आभूषण की खरीदी आप के लिए रोमांचक और आनंददायी रहेगी। कला के प्रति आप की रुचि बढ़ेगी। व्यापार में कोई कठिन काम बन जाने से आपके मन में उल्लास छाया रहेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए भी समय अनुकूल रहेगा।

### मीन

किसी के साथ आज इमोशनल संबंध में बंध सकते हैं। उस सम्बन्ध में आज आनंद-प्रमोद तथा मनोरंजक प्रवृत्ति से मन खुश रहेगा। मित्रों का साथ मिलने से आनंद दोगुना हो जाएगा। दोपहर के बाद आप का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। घर में शुभ प्रसंग का आयोजन होगा।